## अभ्यास पत्रक

## पाठ – हामिद खाँ

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

### 1. अपठित गद्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)

"जब मैं होटल की चौखट पर पहुँचा तो हामिद खाँ ने गुस्से से मेरी ओर देखा। जैसे ही मैंने मुस्कराकर उसे सलाम किया, उसका चेहरा धीरे-धीरे बदलने लगा। वह कुछ क्षण मुझे देखता रहा, फिर बोला – अजीब बात है भाई जान! आप जैसे हिंदू आज भी इस दुनिया में हैं।"

1. लेखक के सलाम करने पर हामिद खाँ की मनोदशा कैसे बदली?

**उत्तर -** .....

.....

2. हामिद को लेखक की कौन-सी बात अजीब लगी?

**उत्तर -** .....

.....

3. इस प्रसंग से हमें क्या सामाजिक सन्देश मिलता है?

**उत्तर -** .....

.....

### 2. कथन और कारण आधारित प्रश्न – (2x1=2 अंक)

4. **कथन:** लेखक ने जानबूझकर मुसलमान होटल में खाना खाया।
   **कारण:** वह भारत-पाकिस्तान के धार्मिक वैमनस्य को तोड़ना चाहता था।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है।
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है।
   (ग) A: सही, R: गलत
   (घ) A: गलत, R: सही
5. **कथन:** हामिद खाँ लेखक को शक की नज़र से देखता रहा।
   **कारण:** लेखक की मुस्कराहट और व्यवहार ने उसे चौंका दिया था।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है।
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है।
   (ग) A: सही, R: गलत
   (घ) A: गलत, R: सही

### 3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQs) – (5x1=5 अंक)

6. लेखक की मुस्कराहट पर हामिद की प्रतिक्रिया कैसी थी?
   (क) उसने तुरंत हँसी में साथ दिया (ख) वह नाराज़ हो गया
   (ग) पहले कठोर, फिर विनम्र (घ) अनदेखा किया
7. लेखक ने हामिद से क्या माँगा?
   (क) चाय (ख) नमाज का स्थान (ग) खाना (घ) पानी
8. लेखक के अनुसार, पाकिस्तानी जनता कैसी थी?
   (क) गुस्सैल (ख) गर्मजोशी से भरपूर (ग) शंकालु (घ) उदासीन
9. हामिद खाँ के पिता की उम्र कैसी बताई गई है?
   (क) चालीस वर्ष (ख) पचपन वर्ष (ग) सत्तर वर्ष (घ) ज्ञात नहीं

10. लेखक ने हामिद को क्या कहा जिससे वह प्रभावित हुआ?

(क) तुम अच्छे हो (ख) मैं भारत से हूँ (ग) मैं तुम्हें अपना भाई मानता हूँ (घ) खाना बहुत अच्छा था

**4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)**

11. हामिद खाँ लेखक के सलाम करने पर कैसी प्रतिक्रिया देता है?

**उत्तर -** .....

.....

.....

12. लेखक के व्यवहार ने हामिद को किस प्रकार प्रभावित किया?

**उत्तर -** .....

.....

.....

13. लेखक ने अपने प्रदेश के हिंदू-मुस्लिम संबंधों के बारे में क्या बताया?

**उत्तर -** .....

.....

.....

**5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (4 अंक)** *(उत्तर 100–120 शब्दों में दीजिए)*

14. पाठ 'हामिद खाँ' के माध्यम से लेखक ने सांप्रदायिकता पर कौन-सा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है?

**उत्तर -** .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

**6. निबंधात्मक प्रश्न – (5 अंक)** *(उत्तर 160–180 शब्दों में दीजिए)*

15. "मजहब इंसानों को नहीं बाँटता, इंसान मजहब को बाँटते हैं" – इस कथन की पुष्टि पाठ 'हामिद खाँ' के आधार पर कीजिए।

**उत्तर -** .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

## उत्तर कुंजी

1. उसका चेहरा कठोरता से कोमलता में बदलने लगा; वह लेखक से प्रभावित हुआ।
2. कि एक हिंदू उसके होटल में आया और भाईचारे से बात की।
3. धार्मिक सद्भाव और पारस्परिक सम्मान की आवश्यकता।
4. (क)
5. (क)
6. (ग)
7. (ग)
8. (ख)
9. (ग)
10. (ग)

11. जब लेखक ने चौखट पर खड़े होकर हामिद को मुस्कराकर सलाम किया, तो पहले हामिद ने कठोर दृष्टि से उसकी ओर देखा। लेकिन धीरे-धीरे उसका चेहरा बदलने लगा, उसकी भौंहें ढीली पड़ गईं और वह चकित होकर बोल पड़ा – "आप जैसे हिंदू आज भी इस दुनिया में हैं!" यह दर्शाता है कि लेखक के नम्र व्यवहार से उसकी शंका कम हो गई।
12. लेखक ने जब खुलकर आत्मीयता से बात की और कहा कि वह उसे भाई मानता है, तो हामिद का हृदय पिघल गया। वह अत्यंत भावुक हो गया और बिना पैसे लिए लेखक को खाना परोसा। यह दर्शाता है कि प्रेम और विश्वास का व्यवहार किसी के भी हृदय को बदल सकता है।
13. लेखक ने बताया कि उनके मालाबार क्षेत्र में हिंदू और मुसलमान भाईचारे से रहते हैं। वहाँ दोनों एक-दूसरे के होटलों में बेझिझक खाना खाते हैं और कोई एक-दूसरे को शक की नज़र से नहीं देखता। यह सांप्रदायिक सौहार्द का सुंदर उदाहरण है।

14.
इस पाठ में लेखक ने भारत और पाकिस्तान के बीच के धार्मिक तनाव की पृष्ठभूमि में मानवता, प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया है। उसने अपने व्यवहार से यह साबित किया कि एक मुसलमान से खुले मन से बात करके, उसे सम्मान और विश्वास देकर सांप्रदायिकता की दीवारें गिराई जा सकती हैं। हामिद खाँ का व्यवहार, जो पहले कठोर था, लेखक की नम्रता और सच्चाई से बदल गया। यह दर्शाता है कि सच्चा धर्म प्रेम, समर्पण और भाईचारे में होता है न कि संकीर्णता और घृणा में।

15.
'हामिद खाँ' पाठ यह सिखाता है कि धर्म का मकसद इंसानों को जोड़ना है, न कि तोड़ना। लेकिन जब इंसान अपने स्वार्थ और पूर्वाग्रह के चलते धर्म का गलत अर्थ निकालता है, तो वैमनस्य उत्पन्न होता है। लेखक एक हिंदू होते हुए भी पाकिस्तानी मुस्लिम होटल में पूरे विश्वास और प्रेम से भोजन करता है। वह हामिद से मुस्कराकर बात करता है और कहता है – "मैं तुम्हें अपना भाई मानता हूँ।" यह सुनकर हामिद भावुक हो जाता है और भोजन के पैसे नहीं लेता। यह घटना दिखाती है कि जब हम दिल से व्यवहार करते हैं, तो कोई मजहब दीवार नहीं बनता। यह पाठ बताता है कि अगर हम धर्म को मानवता के चश्मे से देखें, तो कोई विवाद, डर या घृणा नहीं रह जाएगी। ऐसे उदाहरण आज के समाज को सांप्रदायिकता से मुक्त कर सकते हैं।